अध्याय – 9

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र इलाहाबाद

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के अधीन एक उन्नत केन्द्र के रूप में अक्टूबर, 1992 में स्थापित किया गया था। वर्तमान में, यह वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की एक शाखा है। इस केन्द्र का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तरी बिहार और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में सामाजिक वानिकी और पारि–पुनर्स्थापन के क्षेत्र में व्यावसायिक विशिष्टता का पोषण एवं संवर्धन करना है।

वर्ष 2002–2003 के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं

कोई नहीं

वर्ष 2002–2003 के दौरान जारी परियोजनाएं

परियोजना 1 : इलाहाबाद जिले के विन्ध्य क्षेत्र में सूक्ष्म जीवी प्रौद्योगिकी द्वारा सिलिका खनन भूभागों का पुर्नवनस्पतिकरण (एफ आर आई–141 / सी एस एफ ई आर–01)। प्रधान अन्वेषक – श्रीमती कुमुद दुबे।

स्थिति : जैव उर्वरकों के विभिन्न उपचारों (अकेले साथ ही साथ संयोजन में) के साथ चयनित प्रजातियों यथा – ऐकेशिया कैटेचू, ऐकेशिया निलोटिका, ब्यूटीया मोनोस्पर्मा और पोंगेमिया पिन्नाटा के पौधशाला परीक्षण किए गए और समय–समय पर पौधों के वृद्धि आंकड़े अभिलिखित किए।

परियोजना 2 : पूर्वी उत्तर प्रदेश में बुकानेनिया लेंजन के कृत्रिम पुनर्जनन के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी का विकास (एफ आर आई–141 / सी एस एफ ई आर–02)। प्रधान अन्वेषक – श्री गंगा प्रसाद।

स्थिति : उत्तर प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र के विभिन्न प्रभागों में उत्कृष्ट जननदृव्य का सर्वेक्षण, पहचान और कैन्डिडेट धन वृक्षों का अंकन किया गया। विभिन्न बुआई पूर्व उपचारों के साथ कैन्डिडेट धन वृक्षों से एकत्रित बीजों के अंकुरणक्षमता परीक्षण और अंकुरण परीक्षण किए गए। वी जी ए उपचार ने अच्छा प्रदर्शन किया। एकत्रित बीजों का प्रोटीन विश्लेषण किया गया।

वर्ष 2002–2003 के दौरान शुरू की गई नई परियोजनाएं

कोई नहीं

अनुसंधान उपलब्धियां

राज्य का नाम	2002–2003 में पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	2002–2003 में जारी परियोजनाओं की गई संख्या	2002–2003 में शुरू की परियोजनाओं की संख्या
उत्तर प्रदेश	कोई नहीं	2	कोई नहीं

सम्मेलन / बैठकों / कार्यशालाओं / संगोष्ठी / सेमीनार

आयोजित

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	वानिकी आधारित इंटर स्कूल प्रतियोगिता	28.11.2002 से 30.11.2002
2.	औषधीय पादपों पर कार्यशाला	19.02.2003
3.	कृषि वानिकी पर कार्यशाला	13.03.2003

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद में 19.02.2003 को औषधीय पादपों पर कार्यशाला

सहभागिता

1. श्री वी.के. सिंह और श्री गंगा प्रसाद ने 15.1.2003 से 16.1.2003 तक उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में 'उत्पादकता वृद्धि एवं कार्बन सिंक विस्तार के लिए निम्नीकृत वन का प्रबंध' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

2. श्री वी.के. सिंह ने 3.2.2003 से 4.2.2003 तक भारतीय वानिकी अनुसंधान एंव शिक्षा परिषद् देहरादून में 'संयुक्त वन प्रबंध में उपयोग के लिए प्रौद्योगिकीय नवीनताएं एवं अनुसंधान उन्नति' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

3. श्री वी.के. सिंह ने 30.10.2001 से 31.10.2001 तक वन मुख्यालय, लखनऊ में वानिकी और कृषि वानिकी सलाहकार समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।